12-18 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Incident at the South Avenue Residence of Shri Dalbir Singh, MP

श्री दलबीर सिंह (शहडोल) : अध्यक्ष महोदय, दिनांक 14 अप्रैल, 1982 का मेरे निवास में घटित घटना के सम्बन्ध में तो मुझे कुछ नहीं कहना है, क्योंकि पूरा मामला पुलिस छानबीन के अन्तर्गत है, जिससे स्पष्ट हो जाएगा कि पिस्तौलधारी का वास्तविक उद्देश्य कालियरी श्रमिकों की समस्या की ओर ध्यान खींचना था या कि उसकी आड़ में कुछ और था ।

जहां तक झगराकांड एरिया की समस्या का सवाल है, पहली बात यह है कि यह क्षेत्र मेरे निर्वाचन-क्षेत्र में नहीं आता, केवल तीन चार कालियरियां आती हैं । मेरे समक्ष जो समस्याएं लाई जाती हैं, उनके समाधान के लिए मैं भरसक प्रयत्न करता हूं और अपने क्षेत्र की कालियरियों का दौरा करके स्थानीय तौर पर निदान भी कराया करता हूं । मेरा प्रयत्न रहता है कि कालियरी क्षेत्र में निहित स्वार्थ जैसे सूदखोर, कोयलेका अवैध धंधा करने वाले और भ्रष्ट अधिकारी पनपने न पाएं । इस लिए मैं ऊर्जा मंत्रालय तथा संसद् तक अपनी बात पहुंचाता हूं, जिसके कारण इन तत्वों और इनके संरक्षणकर्ताओं में बेचैनी अवश्य है, यह बात मैं जरूर कहना चाहता हूं । मैं यह नहीं कहता कि कालियरी श्रमिकों की कोई समस्याएं नहीं हैं, किन्तु कोयला खानों के राष्ट्रीयकरण के उपरांत वेतन, सेवा-शर्तों तथा सुविधाओं में भारी वृद्धि हुई है, किन्तु समयानुसार उनमें श्रमिक वृद्धि भी होती रहनी चाहिए, लेकिन वे समस्याएं इतनी गम्भीर भी नहीं हैं कि उनकी ओर ध्यान दिलाने के लिए एक संसद्-सदस्य की हत्या का प्रयत्न किया जाए, और ऐसे लोगों द्वारा, जो श्रमिकों से सीधे तौर पर सम्बद्ध नहीं ।

मैं चाहूंगा कि सारे मामले की सी० बी० आई० से जांच कराई जाए ।

12-20 hrs.

[Mr. Deputy Speaker *in the Chair*].

(ii) Alleged crises in Coal Industry due to shortage of mining Engineers.

SHRIMATI JAYANTI PATNAIK (Cuttack): Sir, under Rule 377 I want to raise the following matter of urgent public importance. The coal Industry is facing serious crisis because of dearth of mining engineers. The Government of India has raised the production target of coal for the sixth Plan period. Coal is the primary source of energy in the country and the mining engineers play an important role in the production of coal. But it is regrettable that there is dearth of mining engineers in various coal fields of the country.

Central Coal Fields Ltd. alone requires at present nearly 24 mining engineers to fill up the vacancies of under managers, asstt. managers and managers. This scarcity of qualified mining engineers is due to the fact that conspicuous less number of young men are opting for this technical faculty in course of last several years due to comperatively good facilities and amenities offered to electronics, electrical, mechanical and chemical engineers. With the decision of the Government of India for the introduction of modernisation scheme of the coal mining projects, large number of mining engineers will be required in various coal fields.

Unless some urgent steps are taken to provide adequate mining engineering education and training facilities in the country the demand of the mining engineers for various coal fields cannot be met. It will hit the production target of coal to a large extent which will adversely affect the economy of the country. Therefore, it is necesary to set up more number of